



उज्जैन शाही मस्जिद निर्माण विवाद: तीन फीट हिस्सा और दुकान हटाने पर बनी सहमति

उज्जैन, यशभारत। उज्जैन की शाही मस्जिद से जुड़े निर्माण विवाद में सोमवार को इंदौर हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया। विवादित निर्माण के करीब तीन फीट हिस्से और एक दुकान को हटाने पर सहमति बनी। दोनों पक्षों की सहमति से तय शर्तों को अदालत के समक्ष रखा गया, जिसे स्वीकार करते हुए हाईकोर्ट ने याचिका का निराकरण कर दिया। अब समझौते के अनुसार विवादित हिस्सा और दुकान हटाने की कार्रवाई की जाएगी।मामला शाही मस्जिद से जुड़े निर्माण को लेकर था। याचिका में करीब साढ़े नौ फीट निर्माण हटाने की मांग की गई थी। विवाद सामने आने के बाद संबंधित पक्ष ने हाईकोर्ट का रुख किया था। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच चर्चा हुई और आपसी सहमति से विवाद का समाधान निकालने का प्रस्ताव रखा गया। बातचीत के बाद दोनों पक्ष तीन फीट विवादित हिस्सा हटाने और एक दुकान तोड़े जाने पर सहमत हुए।शाही मस्जिद की ओर से अधिवक्ता कुलदीप पाठक ने अदालत को दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति और विवाद के समाधान की जानकारी दी। इसके बाद न्यायालय ने समझौते की शर्तों को स्वीकार करते हुए मामले का निराकरण कर दिया।अब अदालत के आदेश के बाद संबंधित पक्ष समझौते में तय शर्तों के अनुसार कार्रवाई करेंगे। गौरतलब है कि निर्माण को लेकर स्थानीय स्तर पर विवाद की स्थिति बनी हुई थी और इसी के चलते मामला न्यायालय तक पहुंचा था। फिलहाल विवादित हिस्से को लेकर दोनों पक्षों के बीच सहमति बन गई है।

दिल्ली में नाबालिग से दुष्कर्म मामले पर अदालत सख्त सुप्रीम कोर्ट ने कष्ट- निर्भया केस से हैं दर्दनाक समानताएं

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में दुष्कर्म की हालिया घटनाओं और चलती स्लीपर बस में नाबालिग से यौन अपराध के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः सज़ान लिया है। कोर्ट ने इन घटनाओं को 2012 की निर्भया घटना की दर्दनाक याद से जोड़ते हुए सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर चिंता जताई। दिल्ली-एनसीआर में दुष्कर्म के हालिया मामलों और दिल्ली में चलती स्लीपर बस में नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः सज़ान लिया है। कोर्ट ने कहा कि इन घटनाओं से निर्भया घटना की दर्दनाक यादें ताज़ा होती हैं। इनमें सार्वजनिक पार्क में एक किशोरी के साथ हुई हालिया घटना भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन घटनाओं से कानून लागू करने वाली एजेंसियों की विफलता साफ तौर पर सामने आती है। सार्वजनिक स्थानों, जिनमें पार्क और बसें भी शामिल हैं, को रोशनी की कमी, निगरानी की कमजोरी व्यवस्था और अन्य प्रशासनिक सुविधाओं के अभाव में जोखिम वाले क्षेत्र बनने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

एशियाड एथलेटिक्स में भारत के श्रीशंकर ने रजत, पारुल-वित्या ने जीते कांस्य

आइची नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में एथलेटिक्स स्पर्धाओं में सोमवार को भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए। पुरुषों की लंबी कूद में मुखली श्रीशंकर ने चोटिल होने के बावजूद 8.07 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता। वहीं महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारुल चौधरी ने कांस्य पदक हासिल किया। महिला 400 मीटर बाधा दौड़ में वित्या यमराज ने भी कांस्य पदक जीता और 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

श्रीशंकर ने दूसरे प्रयास में 8.07 मीटर की छलांग लगाई, जो उन्हें रजत पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रही। चौथे प्रयास के दौरान वह चोटिल हो गए और इसके बाद उन्होंने अपने



आखिरी दो प्रयास नहीं किए। चोट के बावजूद शुरूआती प्रयास में हासिल की गई दूरी ने उन्हें पदक की दौड़ में बनाए

रखा। चीन के युहाओ शी ने 8.17 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत के डेविड सोलोमन पातुराज 7.70 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ सातवें स्थान पर रहे।

महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में पारुल चौधरी ने कांस्य पदक जीता। बहरीन की विनफ्रेड यांगी

स्वर्ण और जापान की नोजोमी तनाका ने रजत पदक जीतने में सफल रही। भारत की सीमा 15८35.06 मिनट के समय के साथ छठे स्थान पर रही।वहीं वित्या यमराज ने 400 मीटर बाधा दौड़ में 54.75 सेकेंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा।

ज्ञानेश कुमार के पैतृक घर पर कालिख कांग्रेस के देशत्यापी प्रदर्शन में हंगामा

आगरा में गेट-दीवार पर आपत्तिजनक नारे; पिता बोले- आरोपियों के खिलाफ कराऊंगा एफआईआर, भोपाल में बैरिकेड पर चढ़े कार्यकर्ता, वाटर कैनन चली

आगरा/भोपाल, यशभारत। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस के सोमवार के देशव्यापी प्रदर्शन के दौरान विरोध उनके पैतृक घर तक पहुंच गया। आगरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के पैतृक आवास के गेट और दीवार पर कालिख पोत दी तथा आपत्तिजनक नारे लिखे। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और सुरक्षा के लिए आवास के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है। उनके पिता डॉ. सुबोध कुमार गुप्ता ने कहा है कि वह मामले में पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराएंगे।

कांग्रेस ने यह प्रदर्शन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए किया। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, हरियाणा, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, दिल्ली और केरल समेत कई राज्यों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्वाचन कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन और धेराव किया। आगरा में प्रदर्शनकारियों ने ज्ञानेश कुमार के आवास के बाहर नारेबाजी की और गेट पर कालिख पोती।

डॉ. सुबोध कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान उनके घर के बाहर हंगामा किया गया और दीवार व गेट पर आपत्तिजनक शब्द लिखे गए। उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस को शिकायत देकर दोधियों की पहचान कराई जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। डॉ. गुप्ता के मुताबिक करीब छह महीने



पहले भी उनके आवास के बाहर प्रदर्शन हुआ था।भोपाल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ता मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय का घेराव करने पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। कुछ कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड पर चढ़ने की कोशिश की, जिसके बाद पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। बाद में कई प्रदर्शनकारियों को बसों में बैठाया गया। एक कार्यकर्ता ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पहनकर खुद को जंजीरों से बांधे नजर आया। पटवारी और उमंग शिंभार उस जंजीर को पकड़े हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' के नारे भी लगाए।

10 महीने में 14 आपत्तियों से ग्रसामा विवाद

प्रदर्शन की पृष्ठभूमि में द इंडियन एक्सप्रेस की 23 सितंबर की जांच रिपोर्ट भी कांग्रेस के निशाने पर रही। रिपोर्ट के अनुसार चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार चुनाव आयोग के फैसलों और आदेशों पर आपत्ति दर्ज की। रिपोर्ट में मतदाता जोड़ने-हटाने, फॉर्म-6 में बदलाव और मतदाता डेटाबेस के पद्धति समेत कई मुद्दों पर दोनों आयुक्तों की आपत्तियों का उल्लेख किया गया है।हालांकि, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने इन रिपोर्टों के बाद कहा था कि एसआईआर समेत आयोग के सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की मंजूरी से लिए गए और निर्णय सर्वसम्मति से हुए।कांग्रेस नेताओं ने इसी रिपोर्ट का हवाला देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग तेज की है। वहीं, भाजपा ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि चुनाव आयोग के शीर्ष मاتبद्दों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए।

टैक्सपेयर्स को बड़ी राहत अब 21 अक्टूबर तक ऑडिट और 21 नवंबर तक ITR

इंदौर, यशभारत। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए टैक्स ऑडिट रिपोर्ट और आयकर रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा बढ़ा दी है। इससे कारोबारियों, कंपनियों, फर्मों, उद्यमियों, फ्रीलांसर्स और चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को बड़ी राहत मिली है। पहले ऑडिट रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तारीख 30 सितंबर 2026 थी, जिसे अब बढ़ाकर 21 अक्टूबर 2026 कर दिया गया है। वहीं, ऑडिट वाले करदाताओं के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर से बढ़ाकर 21 नवंबर 2026 कर दी गई है।

समयसीमा बढ़ाने का फैसला आयकर पोर्टल पर तकनीकी दिक्कों और अंतिम समय में बढ़े काम के दबाव को देखते हुए किया गया है। करदाता और टैक्स प्रोफेशनल्स लंबे समय से डेडलाइन बढ़ाने की मांग कर रहे थे। अतिरिक्त समय मिलने से करदाताओं को अपने खातों, जीएसटी रिकॉर्ड, टीडीएस और अन्य कर संबंधी विवरणों का मिलान करने के लिए अधिक समय मिलेगा। यह राहत उन व्यक्तिगत करदाताओं, फर्मों और कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण है, जिनके खातों का टैक्स ऑडिट कराना अनिवार्य है। अब वे 30 सितंबर की जगह 21 अक्टूबर तक अपनी ऑडिट रिपोर्ट जमा कर सकेंगे। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आईटीआर दाखिल किया जा सकेगा। ऑडिट रिपोर्ट और आईटीआर दाखिल करने की प्रक्रिया आपस में जुड़ी होने के कारण दोनों समयसीमाओं में बदलाव किया गया है। संबंधित ऑडिट फॉर्म पोर्टल पर जमा होने के बाद ही करदाता अपना अंतिम रिटर्न दाखिल कर पाते हैं। ऐसे में ऑडिट रिपोर्ट की तारीख बढ़ने के साथ रिटर्न दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है। नई समयसीमा से करदाताओं को दस्तावेज और वित्तीय आंकड़े व्यवस्थित करने का अवसर मिलेगा। खास तौर पर उन कारोबारियों और पेशेवरों को राहत मिलेगी, जिनके खातों के ऑडिट और रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया अंतिम दिनों में पूरी होनी थी। अब ऑडिट श्रेणी के पात्र करदाता 21 नवंबर 2026 तक आईटीआर दाखिल कर सकेंगे।



टोनही कहने भर से अपराध, दोषी को पांच साल तक की सजा

राजनांदगांव,यशभारत। छत्तीसगढ़ में किसी महिला को टोनही कहना अब कानूनन गंभीर और दंडनीय अपराध है। राजनांदगांव के महातानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में आयोजित विधिक साक्षरता शिबिर में द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश अमित जिंदल ने छात्राओं को छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम-2005 और नए आपराधिक कानूनों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी महिला को टोनही के रूप में पहचान करने पर, भले ही उसे शारीरिक नुकसान नहीं पहुंचाया गया हो, तीन वर्ष तक के सश्रम कारावास और अर्धदंड का प्रावधान है।न्यायाधीश जिंदल ने बताया कि अधिनियम की धारा 4 के तहत किसी महिला को टोनही के रूप में पहचान करने पर, भले ही उसे शारीरिक नुकसान नहीं पहुंचाया गया हो, तीन वर्ष तक के सश्रम कारावास और अर्धदंड की सजा हो सकती है। वहीं टोनही कहकर महिला को शारीरिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित करने पर धारा 5 के तहत पांच वर्ष तक के कठोर कारावास और जुर्माने का प्रावधान है।

2037 तक पूरी तरह इलेक्ट्रिक होगी एसटी की ‘लालपरी’

5 हजार नई डीजल बसें होंगी आखिरी छेप

- 2027 से पुरानी बसों को ई-बस में बदलने की तैयारी

मुंबई, यश भारत। महाराष्ट्र की जीवनरेखा कलौ जाने वाली एसटी महामंडल अब डीजल बसों से इलेक्ट्रिक बसों की ओर बढ़ रही है। सरकार ने वर्ष 2037 तक एसटी के पूरे बेड़े को 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक करने का लक्ष्य तय किया है। परिवहन मंत्री एवं एसटी महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने बताया कि करीब 5 हजार नई डीजल बसें एसटी की आखिरी डीजल बसें होंगी। एसटी मुख्यालय में हुई महामंडल की 312वीं संचालक मंडल बैठक में यह जानकारी दी गई। वर्तमान में एसटी के बेड़े में करीब 14 हजार बसें हैं, जिनमें लगभग 1,100 इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं। करीब 5 हजार पुरानी बसों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा।

2027 से सात-आठ वर्ष पुरानी बसों को इलेक्ट्रिक बसों में बदलने की योजना है। यात्रियों की जबरन के अनुसार नई ई-बसें भी खरीदी जाएंगी। डीजल बसों की करीब 15 वर्ष की तुलना में ई-बसों का उपयोग लगभग 20 वर्ष तक किया जा सकता है। इससे ईंधन खर्च में



कमी आने की उम्मीद है।ई-बसों के लिए डिपोवार चार्जिंग केंद्र और विद्युत ढांचा विकसित किया जाएगा। मंत्री सरनाईक ने कहा कि भविष्य की 'ई-लालपरी' स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की आधारशिला बनेगी।

बॉलीवुड में बड़ी कार्रवाई : रकुल प्रीत सिंह वासु भगनानी से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी

विदेशी लेन-देन और फिल्म प्रोजेक्ट्स की फंडिंग की जांच

पैनोरमा स्टूडियो भी दायरे में

जय सिंह

मुंबई, यश भारत। मुंबई में सोमवार को आयकर विभाग ने अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह, फिल्म निर्माता वासु भगनानी और पैनोरमा स्टूडियो से जुड़े करीब 12 ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया। मुंबई आयकर विभाग की अलग-अलग टीमों परिसरों में दस्तावेजों, वित्तीय रिकॉर्ड और कथित विदेशी लेन-देन से जुड़े कागजात की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, कार्रवाई फिल्म परियोजनाओं की फंडिंग से जुड़े कथित सदिग्ध वित्तीय लेन-देन की जांच के तहत की जा रही है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि फिल्म



निर्माण, शूटिंग या विदेशों में वितरण के नाम पर कोई रकम विदेश भेजी गई थी या नहीं।रकुल प्रीत सिंह और वासु भगनानी के अलावा पैनोरमा स्टूडियो से जुड़े परिसरों में भी वित्तीय दस्तावेजों और लेन-देन की पड़ताल की जा रही है। अधिकारियों का उद्देश्य संबंधित रकम के स्रोत और इस्तेमाल की जानकारी जुटाना है।फिलहाल तलाशी जारी है। आयकर विभाग की जांच और दस्तावेजों के विश्लेषण के बाद ही कथित कर संबंधी अनियमितताओं को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी। विभाग की ओर से अभी कोई अंतिम निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किया गया है।

व्यवस्था लागू करने के बजाय स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार जल प्रबंधन किया जाएगा। सितंबर के दूसरे पखवाड़े तक राज्य के कई बड़े बांधों में जल भंडारण पिछले वर्षों की तुलना में कम रहा है। मराठवाड़ा में भी जल भंडारण में गिरावट दर्ज की गई है। ऐसे में अगले वर्ष एल नीनो का प्रभाव बढ़ने पर पानी की उपलब्धता चुनौती बन सकती है। सरकार ने जलस्रोतों के संरक्षण, उपलब्ध पानी के विवेकपूर्ण उपयोग और समयबद्ध नियोजन पर जोर दिया है।

संपादकीय

विराट की विराट उपलब्धि और निरंतरता का सबक

विराट कोहली का वनडे क्रिकेट में 15 हजार रन का आंकड़ा पार करना केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह उस निरंतरता, अनुशासन और प्रतिस्पर्धी जज्बे का प्रमाण है, जिसने उन्हें आधुनिक क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली बल्लेबाजों की कतार में खड़ा किया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ शतक के दौरान 59 रन पूरे करते ही कोहली ने यह मुकाम हासिल किया और वनडे इतिहास में सचिन तेंदुलकर के बाद 15 हजार रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस उपलब्धि की सबसे खास बात इसकी गति



रिकॉर्ड से आगे कोहली की असली कहानी

हैं। कोहली ने 303वीं पारी में 15 हजार वनडे रन पूरे किए, जबकि सचिन तेंदुलकर को इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 377 पारियां खेलनी पड़ी थीं। आंकड़ों की यह तुलना अपने आप में बताती है कि कोहली ने किस असाधारण गति से रन बनाए हैं। हालांकि, महान खिलाड़ियों की तुलना केवल आंकड़ों से करना उचित नहीं होगा। सचिन ने जिस दौर में भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, उसी तरह कोहली ने बाद के दौर में बल्लेबाजी की अपेक्षाओं को एक अलग स्तर पर पहुंचाया। कोहली की बल्लेबाजी की सबसे बड़ी ताकत उनकी निरंतरता रही है। वह केवल बड़ी पारियां खेलने वाले बल्लेबाज नहीं रहे, बल्कि लंबे समय तक उच्च स्तर का प्रदर्शन करने में सफल रहे हैं। 13 हजार वनडे रन भी उन्होंने सबसे कम 267 पारियों में पूरे किए थे। अब 15 हजार के आंकड़े पर भी सबसे तेज पहुंचकर उन्होंने साबित किया है कि समय के साथ उनका प्रदर्शन केवल संयोग नहीं, बल्कि निरंतर मेहनत और तैयारी का परिणाम रहा है।

क्रिकेट में रिकॉर्ड बनते और टूटते रहते हैं, लेकिन किसी खिलाड़ी की महानता केवल रिकॉर्डों की संख्या से तय नहीं होती। असली कसौटी यह होती है कि वह कितने लंबे समय तक टीम की जरूरत के मुताबिक प्रदर्शन करता है और दबाव की परिस्थितियों में कितना प्रभाव छोड़ता है। कोहली का वनडे करियर इस कसौटी पर भी उल्लेखनीय रहा है। उनका शतक और 15 हजार रन का आंकड़ा इसी लंबी यात्रा की एक और महत्वपूर्ण कड़ी है। अब स्वाभाविक रूप से चर्चा सचिन तेंदुलकर के 18,426 वनडे रनों के रिकॉर्ड की हो रही है। कोहली उस आंकड़े के कितने करीब पहुंचते हैं, यह भविष्य बताएगा। लेकिन फिलहाल इस उपलब्धि का महत्व इस बात में है कि भारतीय क्रिकेट को एक ऐसा बल्लेबाज मिला है, जिसने अपने प्रदर्शन से कई पीढ़ियों के खिलाड़ियों और प्रशंसकों को प्रभावित किया है। विराट कोहली की यह उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए भी एक संदेश है। प्रतिभा शुरुआत दिला सकती है, लेकिन लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहने के लिए फिटनेस, अनुशासन, मानसिक मजबूती और निरंतर सुधार जरूरी है। 15 हजार वनडे रन का पड़ाव इसी यात्रा की कहानी कहता है। रिकॉर्ड के पीछे छिपी मेहनत को समझना ही इस उपलब्धि का सबसे बड़ा अर्थ है।

कड़वे वचन

दूध उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो उस पर ठंडा पानी डाल दो या फिर गैस बंद कर दो । ठीक इसी तरह सामने वाला अगर क्रोध में उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो आप चुप हो जाइये या फिर वहां से हट जाइये । जहां दूसरों को समझाना मुश्किल हो जाए वहां खुद को समझा लेना ही बेहतर है । चुप्पी कई सवालों का जवाब हुआ करती है । कुछ सवालों का जवाब चुप्पी से देना सीखो ।

 आज का राशिफल	
पंचांग:- 29 सितंबर 2026 दिन-मंगलवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष विक्रम संवत् 2083	ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास
मेष धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुखित मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।	वृष घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें
मिथुन रुपय-पैसे संबंधी लेनदेन को लेकर किसी से वाद-विवाद होने की आशंका है	कर्क व्यवसाय में किसी नए कार्य की शुरुआत हो सकती है दिन खुशनुमा होगा
सिंह साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अधीरिटी मिल सकती है।	कन्या घर के वातावरण को सुखी बनाए रखने की कोशिश करें खांसी, जुकाम आदि से बचे
तुला आधुनिक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उलम दिनचर्या रखें।	वृश्चिक सकारात्मक प्रवृत्ति के लोगों से मेलजोल बढ़ाए जो आपके लिए फायदेमंद ही साबित होंगे।
धनु दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारु रूप से होते जाएंगे	मकर अपनी महत्वपूर्ण बात सार्वजनिक न करें। अजनबियों से सावधान रहे
कुंभ बातचीत करते समय अहद भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।	मीन व्यवसायिक गतिविधियां मध्यम रहेंगी। ये समय धैर्य और शांति से व्यतीत करने का है।

विचार प्रवाह

दिल का मामला है, हर धड़कन कुछ कहती है..!

(विश्व हृदय दिवस पर विशेष)

आज विश्व हृदय दिवस है। पिछले एक दशक में, स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है लेकिन साथ ही दुखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लेकिन यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है या बेहतर जीवनशैली से प्रबंधित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को साकार कर एक दिन विशेष इसे पूरे विश्व में मनाने के निश्चय किया गया ताकि लोगों को इस रोग की बारीकी और शुरुआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके। कम से कम इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्वरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं विश्व हृदय दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था। यह दिन हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है, जो दुनिया भर के व्यक्तियों, स्वास्थ्य संगठनों और समुदायों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और निवारक उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है।

संवादों की मोहताज नहीं कला :तकनीकी शोर के बीच मूक सिनेमा का कालजयी दर्शन

(29 सितंबर विश्व मूक सिनेमा दिवस)

आज का सिनेमा आधुनिक तकनीक, डॉल्बी साउंड और भारी-भरकम विजुअल इफेक्ट्स के शोर से भरा हुआ है। ऐसे दौर में क्या हम उस सिनेमा की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ न संवाद थे, न बैकग्राउंड स्कोर और न ही बोलते चिह्नते हुए किरदार?

आज 29 सितंबर को विश्व मूक फिल्म दिवस है। यह दिन सिनेमा के इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अभिनय की उस शुद्धतम कला को समझने का मौका है, जहाँ संवादों की अभिव्यक्ति के बिना सिर्फ आंखों और चेहरों से कहानियां पढ़ें पर उतरती थीं। सिनेमा का एक बुनियादी सच यह है कि मेथड ऐक्टिंग के लिए आवाज की जरूरत कभी नहीं रही। संवाद केवल कहानी आगे बढ़ाने का जरिया हैं, लेकिन असल अभिनय सीधे दर्शक की आत्मा को छूता है। इसका सबसे बड़ा और कालजयी उदाहरण जूलजार्ज की फिल्म कोशिश है। इस फिल्म में संजीव कुमार और जया बच्चन ने एक मूक-बंधर कप्तान की भूमिका निभाई थी। पूरी फिल्म में दोनों ने अपनी जुबां से एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन अपनी आंखों के उहाराव, हाथों के कोमल इशारों और चेहरे की मर्मस्पर्शी खामोशी से दर्शकों को भीतर तक रला दिया। वह फिल्म इस बात की तस्दीक करती है कि जब भावनाएं गहरी होती हैं, तो शब्दों की जरूरत खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है।

यदि हम सिनेमा का अध्ययन करें, तो पाएंगे कि सबसे बड़े अभिनेता वही हुए हैं जिनकी खामोशी और भाव-भंगिमाएं उनके संवादों से ज्यादा गुंजती थीं। ट्रेजडी किंग दिलीप कुमार इसका साक्षात् उदाहरण थे। उनके



बोले गए डायलॉग्स जितने मशहूर हैं, उससे कहीं ज्यादा प्रभावशाली उनके चेहरे का वो खालीपन और उदासी थी जो कैमरे के क्लोज-अप में नजर आती थी। यही बात इरफान खान पर भी लागू होती है। इरफान स्क्रीन पर बिना कुछ बोले सिर्फ अपनी गहरी, रहस्यमयी आंखों और चेहरे के धीमे से बदलते हाव-भाव से पूरे दृश्य का मिजाज बदल देने का हुनर जानते थे। नसीरुद्दीन शाह और ओम पुरी ने भी स्थापित किया कि गुस्सा या बेबसी शब्दों में नहीं, बल्कि चेहरे की तनी हुई मांसपेशियों और तेज, स्थिर नजरों में दिखाई देती है। आज के दौर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का स्क्रीन प्रेजेंस भी इसी शारीरिक अभिनय और बाँड़ी लैंग्वेज की ताकत को बयां करता है।

यही जादू चालीं चैपलिन ने बिखेरा था। उन्होंने अपनी मूक कामेडी और चेहरे की अनूठी भाव-भंगिमाओं से

तर्पण से पितरों को उनका अंश कैसे प्राप्त होता है अर्थात श्राद्ध में अर्पित सामग्री पितरों को कैसे मिलती है?

श्रद्धया दीयते यत् तत् श्राद्धम्

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए। पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किए गए दान का नाम ही श्राद्ध है। श्राद्ध कर्म पितृव्रण चुकाने का सरल व सहज माग है। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितराण वर्षभर प्रसन्न रहते हैं। श्राद्ध कर्म से व्यक्ति केवल अपने सगे-सम्बन्धियों को ही नहीं, बल्कि ब्रह्मा से लेकर तृणपर्यन्त सभी प्राणियों व जगत को तुस करता है। पितरों की पूजा को साक्षात् विष्णुपूजा ही माना गया है। श्राद्ध को वस्तुएं पितरों को कैसे मिलती है ? प्रायः कुछ लोग यह शंका करते हैं कि श्राद्ध में समर्पित की गई वस्तुएं पितरों को कैसे मिलती है? कर्मों की भिन्नता के कारण मरने के बाद गतियां भी भिन्न-भिन्न होती हैं- कोई देवता, कोई पितर, कोई प्रेत, कोई हथी, कोई चींटी, कोई वृक्ष और कोई तृण बन जाता है। तब मन में यह शंका होती है कि छोटे से पिण्ड से अलग-अलग योनियों में पितरों को तृप्ति कैसे मिलती है? इस शंका का स्कन्दपुराण में बहुत सुन्दर समाधान मिलता है।

एक बार राजा करन्धम ने महायोगी महाकाल से पूछ्च चन्मनुष्यों द्वारा पितरों के लिए जो तर्पण या पिण्डदान किया जाता है तो वह जल, पिण्ड आदि तो यहीं रह जाता है फिर पितरों के पास वे वस्तुएं कैसे पहुंचती हैं और कैसे पितरों को तृप्ति होती है? भगवान महाकाल ने बताया कि विश्व नियन्ता ने ऐसी व्यवस्था कर रखी है कि श्राद्ध की सामग्री उनके अनुरूप होकर पितरों के पास पहुंचती है। इस व्यवस्था के अधिपति हैं अग्निध्यात आदि। प्रकृति के देवता, पितरों और देव लोकों में पुण्य फल भोग रही जीवात्मायें (सामान्य देवता) की योनि ऐसी है कि वे दूर से कही हुई बातें सुन लेते हैं, दूर की पूजा ग्रहण कर लेते हैं और दूर से कही गयी स्तुतियों से ही प्रसन्न हो जाते हैं। जीवात्मा अविनाशी है। आत्मा चेतन है, उसी से चेतना पाकर ज्जीवात्माएं ही स्थूल शरीर के माध्यम से कर्म करता है और उसके ही माध्यम से कर्म फलों का भोग भी करता है। इस प्रकार ज्जीवात्माएं कर्ता भी है और भोक्ता भी। आत्मा केवल दृष्ट है, इसी से जीव चेतना पाकर सुख दुःख भोगता है, कर्म करता है। मृत्यु के बाद कर्म अनुसार जीवात्मा कोई भी स्थूल शरीर पाकर चाहे देव, पितर, मानव, जानवर, कोट वृक्ष, प्रेत आदि कोई योनि पाये, कहीं भी हो, उसकी जीवात्मा वही रहती है तथा किसी दूसरी जीवात्मा द्वारा किये गये जप, तप, दान, तर्पण को ग्रहण करती है। श्रीमद्भगवत के अध्याय 9 के श्लोक 23 व 25 में भगवान श्रीकृष्ण ने बताया है कि जो भी भक्त श्रद्धापूर्वक अन्य देवताओं का पूजन करते हैं, वे भी मेरा ही पूजन करते हैं। और सकाम भाव से देवताओं और पितरों को किया पूजन का लाभ उन्हें मिलता है। हम जानते हैं कि जीवधारियों के

सूक्ष्म शरीर में पांच तन्मात्राएं, मन, बुद्धि, अहंकार और प्रकृति- इन नी तत्व होते हैं और इसके भीतर दसवें तत्व के रूप में साक्षात् भगवान पुरुषोत्तम उसमें आत्मा के रूप में, निवास करते हैं। इसलिए प्रकृति के देवता, जो आकाश व अग्नि तत्व के होते हैं, शब्दतत्व में रहते हैं और स्पर्शतत्व को ग्रहण करते हैं। देवलोक के देवताओं व पितरों के शरीर में वायु तत्व भी होता है, अतः से गन्ध व रसतत्व से तुप्त होते हैं। पवित्रता से भी ये प्रसन्न होते हैं और वर देते हैं। जैसे मनुष्यों का आहार अन्न है, पशुओं का आहार तृण है, वैसे ही पितरों का आहार अन्न का सार-तत्व (गंध और रस) है। अतः वे अन्न व जल का सारतत्व ही ग्रहण करते हैं। शेष जो स्थूल वस्तु है, वह यहीं रह जाती है।

शास्त्रों में यह भी बताया गया है कि नाम व गोत्र के उच्चारण के साथ जो अन्न-जल, द्रव्य आदि पितरों के दिया जाता है, विश्वेदेव एवं अग्निध्यात (दिव्य पितर) हव्य-कव्य को पितरों तक पहुंचा देते हैं। यदि पितर देवयोनि को प्राप्त हुए हैं तो वहॉ दिया गया अन्न उन्हें अमृत होकर प्राप्त होता है। यदि गन्धर्व बन गए हैं तो वह अन्न उन्हें भोगों के रूप में प्राप्त होता है। शेष में स्थूल रूप धारण कर, यदि पशुयोनि में हैं तो वह अन्न तृण के रूप में प्राप्त होता है। नागयोनि में वायुरूप से, हथयोनि में पानरूप से, राक्षसयोनि में आमिषरूप में, दानवयोनि में मांसरूप में, प्रेतयोनि में रथिररूप में और मनुष्य बन जाने पर भोगने योग्य तृप्तिकारक

पदार्थों के रूप में प्राप्त होता है। जिस प्रकार बछड़ा झुण्ड में अपनी मां को ढूंढ ही लेता है, उसी प्रकार नाम, गोत्र, हृदय की भक्ति एवं देश-काल आदि के सहारे दिए गए पदार्थों को मन्त्र पितरों के पास पहुंचा देते हैं। जीव चाहें सैकड़ों योनियों को भी पार क्यों न कर गया हो, तर्पण की गई वस्तु व भाव

उसके पास पहुंच ही जाते हैं। हमें अपने स्वर्गवासी सम्बन्धियों से निम्न प्रार्थना करनी चाहिए। यह केवल क्रिया नहीं है, इसके पीछे भाव है। (1) शुद्ध संकल्पों से पूर्वजों को याद कर जप, तप, दान, पुन्य कर्म आदि कि जाने-अनजाने के रूप में उन्हें अर्पित करना चाहिए, जिससे इसके कंपन स्पंदन थरथराहट (वायब्रेशन) उन तक पहुंच जाए और उनकी आत्मा का उन्नयन होगा।

(2) उनके गुणों को याद कर प्रेरणा लेनी चाहिए। (3) पितरों से प्रार्थना करनी चाहिये कि जाने-अनजाने में गलती से हमने आप के दिल को दुखाया है, उसके लिए हम सच्चे दिल से प्रार्थश्चित करते हैं। (4) हम आप जैसे गुणों को अपने अंदर लाने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं।

अतः हमें पूरे श्रद्धा के साथ श्राद्ध कर अपने पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त कर और उनके आशीर्वाद रूपी आशीष से अपने और अपने पूरे परिवार के जीवन में सुख, शांति व समृद्धि लाना चाहिए। - श्रीमती प्रीति सिंह चौहान नर्मदापुरम (म.प्र.)

मन की बात ने रेडियो को फिर बनाया जनसंवाद का सशक्त माध्यम

गांवों की चौपाल से देश के विकास तक पहुंचती प्रधानमंत्री की आवाज

डिजिटल युग में जब समाचार और विचारों के लिए मोबाइल फोन तथा इंटरनेट सबसे तेज माध्यम बन चुके हैं, तब रेडियो पर प्रसारित होने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ‘मन की बात’ कार्यक्रम अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम का इंतजार देश के अनेक हिस्सों में लोग पहले से करते हैं। कहीं परिवार साथ बैठकर इसे सुनता है तो कहीं गांव की चौपाल, पंचायत भवन या सार्वजनिक स्थान पर लोग रेडियो अथवा टेलीविजन के माध्यम से सामूहिक रूप से कार्यक्रम सुनते हैं। यही सामूहिक श्रवण ‘मन की बात’ को केवल प्रधानमंत्री का संबोधन नहीं रहने देता, बल्कि इसे समाज और देश के बीच संवाद का माध्यम बनाता है।‘मन की बात’ की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें केवल सरकार की योजनाओं या उपलब्धियों की चर्चा नहीं होती, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सामान्य नागरिकों द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों को भी सामने लाया जाता है। प्रधानमंत्री अक्सर ऐसे लोगों का उल्लेख करते हैं जिन्होंने अपने छोटे से प्रयास को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया। किसी ने पर्यावरण संरक्षण का बीड़ा उठाया, किसी ने स्थानीय कला और परंपरा को बचाने का प्रयास किया, किसी ने स्वच्छता को अभियान बनाया तो किसी ने युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने की पहल की। इस तरह कार्यक्रम में देश के उन लोगों को राष्ट्रीय मंच मिलता है, जिनका काम सामान्य परिस्थितियों में स्थानीय सीमा से आगे नहीं पहुंच पाता।27 सितंबर 2026 को प्रसारित 138वें एपिसोड में भी राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर जनगणना, स्वच्छता, नशामुक्ति, सांस्कृतिक परंपराओं और वन्यजीव संरक्षण जैसे विभिन्न विषयों को जोड़ा गया। प्रधानमंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक की दसवीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का जिक्र किया। साथ ही 2008 के दिल्ली सीपीएल ब्लास्ट, मुंबई के 26/11 हमले और अमेरिका में 11 सितंबर के आतंकी हमले को याद करते हुए पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इससे कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक जिम्मेदारी दोनों पहलू सामने आए।जनगणना को लेकर भी प्रधानमंत्री ने नागरिकों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। वर्ष 2027 की जनगणना के लिए डिजिटल व्यवस्था और स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र सरकार के अनुसार जनगणना दो चरणों में होगी और इसके लिए बड़ी संख्या में मैदानी कर्मचारी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में नागरिकों की भागीदारी को राष्ट्रीय दायित्व के रूप में सामने रखना कार्यक्रम का महत्वपूर्ण संदेश रहा।स्वच्छता का विषय भी ‘मन की बात’ में लगातार सामाजिक अभियान के रूप में सामने आता रहा है। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता के महत्व को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर सामने आ रहे स्वच्छता संबंधी प्रयासों का उल्लेख किया। इसका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि स्वच्छता केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है। सड़क, मोहल्ले, विद्यालय, बाजार और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में नागरिकों की भागीदारी ही किसी अभियान को स्थायी रूप दे सकती है। (लेखक - कांतिलाल मांडोट)

तिलक नगर थप्पड़ कांड में नया मोड़, दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच शुरू



नई दिल्ली, एजेंसी। तिलक नगर में सड़क की गुणवत्ता जांच के दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा पर युवक को थप्पड़ मारने के आरोप के बाद शुरू हुआ विवाद अब दोनों पक्षों की शिकायतों तक पहुंच गया है। पुलिस ने साहिब सिंह की शिकायत मिलने की पुष्टि की है और मामले से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, अभी मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद आम आदमी पार्टी ने प्रवेश वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। आप नेताओं का आरोप है कि सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाने और मौके की वीडियो रिकॉर्डिंग करने के कारण साहिब सिंह के साथ मारपीट की गई। पार्टी ने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए मामले को राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। वहीं, प्रवेश वर्मा ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों के बीच कहा है कि मौके पर आप कार्यकर्ताओं की ओर से उनके परिवार के बारे में कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। उन्होंने कहा कि परिवार के बारे में इस तरह की टिप्पणी स्वीकार नहीं की जा सकती। वर्मा ने आप विधायक जरनैल सिंह पर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के माध्यम से ठेकेदारों से कमीशन मांगने और निर्माण कार्य में हस्तक्षेप करने के आरोप भी लगाए हैं। इस बीच मामले में नया पहलू तब सामने आया, जब पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों और सड़क निर्माण से जुड़े ठेकेदार की ओर से भी विधायक जरनैल सिंह के खिलाफ शिकायतें दी गईं। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि विधायक ने निर्माण कार्य रूकवाने की कोशिश की और सड़क को नुकसान पहुंचाया।

तमिलनाडु में स्कूल को मान्यता दिलाने में बड़ा फर्जीवाड़ा



चेन्नई, इएमएस पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा ने निजी स्कूल को मान्यता दिलाने में कथित फर्जीवाड़ा के मामले में फरार आरोपी मुथुकुमार के रिश्तेदारों से जुड़े चार स्थानों पर तलाशी ली। शनिवार को कन्नक्कुरिची जिले में चलाए गए इस अभियान में मुथुकुमार के रिश्तेदारों सरवन्न और रमेश के घरों के अलावा गोकुलकृष्ण के घर और दुकान पर तलाशी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान बैंक से संबंधित रिकॉर्ड समेत 30 दस्तावेज जब्त किए गए। इस संबंध में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुथुकुमार चेन्नई के टी. नगर में 'ल्लोबल 360 डिग्री' नाम की फर्म चलाता था। आरोप है कि उसने तमिलनाडु स्कूल शिक्षा विभाग से सरकारी मान्यता दिलाने का झूठा वादा कर निजी स्कूल प्रबंधन से पैसे लिए। सीसीबी की जांच में सामने आया कि मुथुकुमार का रिश्तेदार सरवन्न इन वित्तीय लेनदेन में उसका सहयोगी था। पुलिस आयुक्त के समक्ष दर्ज कराई गई शिकायत के बाद सीसीबी ने मामला दर्ज किया। मामले में तीन आरोपियों - बी.टी. अरसाकुमार, सुरेश और राजा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब तक जुटाए गए स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल महेश के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई शुरू की गई है।



नेपाल से तिगुना पानी, बिहार में बाढ़ का कहर: चंपारण समेत कई जिलों में हाहाकार

पटना(ईएमएस)। बिहार एक बार फिर भीषण बाढ़ की चपेट में है। नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और ग्लेशियर पिघलने के कारण गंडक नदी उफान पर है, जिससे राज्य में सामान्य से तीन गुना अधिक पानी प्रवेश कर रहा है। वाल्मीकिनगर गंडक बैराज से 5 लाख 43 हजार वयुक्तक से अधिक पानी छोड़े जाने के बाद पश्चिमी और पूर्वी चंपारण समेत कई जिले बाढ़ की त्रासदी झेल रहे हैं। घरों में पानी घुसने से हजारों लोग बेघर हो गए हैं और सुरक्षित स्थानों की तलाश में भटकने को मजबूर हैं।

बगहा शहर के कैलाश नगर वार्ड 1, 2, 4, 6 और 7 में तेजी से गंडक का पानी फैल चुका है, जिससे अब तक 200 से अधिक घरों में बाढ़ का पानी भर गया है। लोग अपने मवेशियों के साथ रेलवे ट्रैक पर शरण लिए हुए हैं, जहाँ उन्हें अभी तक कोई खास राहत नहीं मिल पाई है। गंडक के लगातार बढ़ते जलस्तर से पूर्वी चंपारण के अररराज अनुमंडल के गंडक दियारा और तटीय क्षेत्रों में व्यापक बाढ़ की आशंका गहरा गई है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। गंडक के अलावा, बागमती और कोसी नदियां भी उफान पर हैं, जिससे पूर्वी चंपारण, मधुबनी, दरभंगा, सुपौल और सहरसा के कई गांव भी बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। जल संसाधन विभाग ने सभी क्षेत्रीय पदाधिकारियों को 24 घंटे अलर्ट रहने

और चंपारण से वैशाली तक तटबंधों की निगरानी का निर्देश दिया है। अररराज अनुमंडल में स्थिति विशेष रूप से संवेदनशील है, जहाँ सरैया, मिश्रौलिया, पुष्टरिया, बिंद टोली और नवादा सहित दर्जनों निचले गांवों पर बाढ़ और कटाव का खतरा मंडरा रहा है। खेतों में पानी घुसने और बस्तियों के जलमग्न होने की आशंका ने ग्रामीणों की रातों की नींद हराम कर दी है। लोग जान-माल की सुरक्षा के लिए ऊंचे स्थानों की ओर पलायन की तैयारी में हैं। अनुमंडल प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। एसडीएम सुजीत कुमार लगातार प्रभावित क्षेत्रों और संवेदनशील तटबंधों का स्थलीय निरीक्षण कर रहे हैं, जबकि सीओ निनाद कुमार पाण्डेय ज़मीनी स्तर पर राहत और सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले हुए हैं। उन्होंने ग्रामीणों से निचले इलाकों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।पश्चिमी चंपारण के वाल्मीकिनगर, बगहा-2, बगहा-1, पिपरासी, मधुबनी, ठकहरा, भित्ता, योगापट्टी, बैरिया और नौतन के दियारा क्षेत्र के सैकड़ों घरों में पानी घुस गया है। बगहा-वाल्मीकिनगर पथ भी डूब गया है, और वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) में पानी फैलने से जंगली जानवर जंगल से बाहर निकलकर शरण तलाश रहे हैं। नदियां कई जगहों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर होने की आशंका बनी हुई है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे का फर्जी पत्र वायरल

चुनाव आयोग ने बताई एक-एक बात कहा- एआई का कमाल

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी राजनीतिक घमासान के बीच एक पत्र वायरल हुआ है। इसमें दावा किया गया कि कुमार ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश की है। हालांकि, चुनाव आयोग ने इस पत्र को फर्जी करार देते हुए स्पष्ट किया है कि ऐसा कोई फैसला नहीं लिया गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब चुनाव आयोग के स्पेशल समरी रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया और उसके काम करने के तरीकों पर सवाल उठ रहे हैं। वायरल पत्र में दावा किया गया था कि यह फैसला आत्मचिंतन और विचार के बाद लिया गया है, जिसमें देश की सेवा करने और निर्वाचन आयोग



की निष्पक्षता को बनाए रखने का अवसर मिलने को सम्मानजनक बताया गया था।चुनाव आयोग ने इस तथाकथित त्यागपत्र को फर्जी और एआई-जनरेटेड करार दिया है। आयोग के प्रवक्ता ने लोगों से ऐसे मगढ़ूत पत्रों पर विश्वास न करने की अपील करते हुए साफ किया कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने ऐसा कोई भी पत्र नहीं भेजा है। फर्जी

वायरल लेटर में मुख्य चुनाव आयुक्त के हस्ताक्षर किए गए थे और यह राष्ट्रपति मुर्मू के नाम भेजा गया था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब चुनाव आयोग में स्पेशल समरी रिवीजन प्रक्रिया को लेकर आंतरिक मतभेद की खबरें सामने आई थीं। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि अन्य चुनाव आयुक्तों ने

एआई का स्वामित्व: संयुक्त राष्ट्र में अमीर और गरीब देशों के बीच बढ़ती खाई

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के भविष्य और उसके नियंत्रण को लेकर अमीर और गरीब देशों के बीच बड़ा वैचारिक टकराव सामने आया है। विभिन्न देशों ने इस पर गहरी चिंता जाहिर की है कि एआई जैसी क्रांतिकारी तकनीक का नियंत्रण कहीं कुछ मुझी भर देशों, बड़ी कंपनियों या सरकारों तक ही सीमित न रहे, जिससे इंसानों के हाथों से इसका नियंत्रण फिसलने का डर सता रहा है। भारत ने हर देश के अपने एआई मॉडल विकसित करने के अधिकार का समर्थन कर कहा है कि एआई लोगों को सशक्त बनाने और आर्थिक खुशहाली लाने में एक बڑा बदलाव लाने वाली ताकत साबित हो सकता है। हालांकि, विदेश मंत्री



जयशंकर ने इसके गलत इस्तेमाल के प्रति आगाह किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा कि एआई का गलत इस्तेमाल पक्षपात को बढ़ा सकता है और देशों के बीच आपसी सम्मान को कमजोर कर सकता है। भारत ने कहा कि हर देश को अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुसार अपने एआई मॉडल तैयार करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान में फिर बढ़ रहा टकराव

काबुल बोला- 28 मार गिराए इस्लामाबाद ने खारिज किया

काबुल इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए दावा किया कि पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ के बाद, अफगान सेना ने सीमावर्ती नूरिस्तान प्रांत में 28 चरमपंथियों को मार गिराया है। मंत्रालय का कहना है कि उन्हें च्याकिस्तानी मिलिशिया का समर्थन और बढ़ावाज मिला हुआ था। नूरिस्तान प्रांत के कामदश जिले के आस-पास, पाकिस्तानी मिलिशिया के समर्थन और बढ़ावा देने पर, अशांति फैलाने और असुरक्षा पैदा करने के मकसद से दाइश (छद्मदह्राद्ध) से जुड़े कई समूहों और उपद्रवी तत्वों को डूरंड लाइन पार करके अफगान इलाके में भेजा गया।

28 को मारने का किया दावा- अफगानिस्तान ने कहा की दुरश्मन की इस खतरनाक साजिश का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार, देश की सतर्क सुरक्षा और रक्षा बलों ने उनके खिलाफ तेजी से कार्रवाई शुरू की। अफगानिस्तान ने इस ऑपरेशन में 28 को मार गिराया, जबकि 32 को ज़ंदा पकड़ लिया है। कई अन्य लोग भी डूरंड इशारा कर रही थी।



की ओर भाग गए। इसके ज़लट पाकिस्तान की सेना ने दावा किया है कि उसके सैनिकों ने पिछले 96 घंटों में दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में कई अभियानों के दौरान 71 से ज्यादा उग्रवादियों को मार गिराया है। हाल के हफ्तों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। सीमा पार झड़पों और पाकिस्तानी सेना द्वारा काबुल क्षेत्र पर किए गए हवाई हमलों ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच अपनी-अपनी सीमाओं पर आतंकवादी गतिविधियों को लेकर चल रहे विवाद को और बढ़ा दिया है। हालांकि, पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने अफगानिस्तान के दावों का खंडन किया है।

पति की ड्रीम चीटिंग से गहरा सदमा लगा पत्नी को, वीडियो हो रहा वायरल

नई दिल्ली (ईएमएस)। पति-पत्नी का रिश्ता भरोसे और विश्वास पर टिका रहता है। यदि इस पवित्र रिश्ते के बीच किसी तीसरे की एंट्री हो जाती है तो रिश्तों में दरार आना तय होता है, भले ही सपनों में ही क्यों ना हो। आजकल सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला अपने पति के एक सपने के कारण भावुक होकर रोती हुई दिखाई दे रही है। महिला का दावा है कि उसके पति ने सपनों में बेवफाई (ड्रीम चीटिंग) की है, जिसने उसे गहरा दुःख पहुँचाया है। वीडियो में पति ने बताया कि उसकी पत्नी इसलिए दुखी है क्योंकि उसने अनजाने में सपने में अपनी एक पुरानी स्कूली दोस्त को देख लिया। पति के लिए यह महज़ एक सपना था।



पहले राज्यसभा जाएंगी फिर मंत्री बनेंगी स्मृति ईरानी

लखनऊ(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश में प्रदेश कोटे की 10 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया 29 सितंबर से शुरू होने के साथ ही सियासी हलचल तेज हो गई है। भाजपा इस बार उम्मीदवारों के ऐलान में चौंका सकती है, क्योंकि उसकी योजना अधिकांश नए चेहरों को मैदान में उतारने की है। पार्टी की केंद्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी को उत्तर प्रदेश से राज्यसभा भेजे जाने की प्रबल संभावना है, जो महिला प्रतिनिधित्व का भी महत्वपूर्ण कौता पुरा करेगी। संभावना है कि उन्हे केंद्रीय कैबिनेट में जगह भी मिल जाए।

भाजपा इस बार यूपी से राज्यसभा सदस्य दो केंद्रीय मंत्रियों समेत कुछ मौजूदा सांसदों को फिर से मौका देने को लेकर संशय में है। पार्टी ने डॉक्टर दिनेश शर्मा के अंडमान-निकोबार के उपराज्यपाल बनने के बाद इस्तीफे से खाली हुई ब्राह्मण कोटे की सीट पर हरीश द्विवेदी को उम्मीदवार बनाने पर विचार कर रही है, जिन पर केंद्रीय

नेतृत्व का भरोसा बढ़ा है। यदि बीएल वर्मा का टिकट कटता है, तो राजवीर सिंह राजू का नाम भी दावेदारों में शामिल हो सकता है। पार्टी गीता शाक्य और सीमा द्विवेदी की जगह भी नए चेहरे तलाश रही है। गीता की जगह उनके सजातीय

यूपी से राज्यसभा चुनाव की हलचल तेज

ममताेश शाक्य सहित कई दावेदार रस में हैं, वहीं ओबीसी कोटे में पार्टी के ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष प्रकाश पाल भी मजबूत दावेदार हैं। दलित चेहरों में विद्यासागर की दावेदारी सामने आई है। भाजपा सामाजिक समीकरणों को साधने पर विशेष

ध्यान दे रही है।वर्तमान में इन 10

सीटों में से आठ पर भाजपा, एक पर समाजवादी पार्टी (सपा) और एक पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) काबिज है। इस बार ये सीटें भाजपा और सपा के बीच ही बंटेंगी। बसपा के एकमात्र राज्यसभा सांसद रामजी गौतम का कार्यकाल खत्म होते ही संसद के द्विवेदी को उम्मीदवार बनाने पर बसपा का प्रतिनिधित्व शून्य हो जाएगा।

गाजा पट्टी में इजराइल की ताबड़तोड़ कार्रवाई उत्तरी और दक्षिणी इलाकों में दहशत, 4 की मौत

गाजा, एजेंसी। इजराइली ने एक बार फिर गाजा पर हमला किया है। एक अंतर्राष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रविवार सुबह से गाजा पट्टी में इजराइली चमरलों में कम से कम चार फिलिस्तीनी मारे गए और 12 अन्य घायल हो गए। ताजा मौत की पुष्टि करते हुए, एम्बुलेंस और इमरजेंसी सर्विस के एक अधिकारी ने बताया कि गाजा शहर के उत्तर में स्थित तवाम इलाके में इजराइली सेना ने कम से कम एक फिलिस्तीनी की गोली मारकर हत्या कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी गाजा में नासेर अस्पताल ने पुष्टि की कि खान यूनुस के बीच में इजराइली गोलीबारी में घायल हुए एक और फिलिस्तीनी की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले एक अलग घटना में, गाजा शहर के पश्चिमी हिस्से में एक गाड़ी को ड्रेन हमले में निशाना बनाया गया।



भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के बनेंगे नए आभूषण, समिति का फैसला

अनुभवी और कुशल स्वर्णकारों का होगा चयन, पूरी प्रक्रिया होगी पारदर्शी

पुरी,(ईएमएस)। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति ने भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के विशेष सुना बेशा अनुष्ठान के लिए आभूषणों का एक नया सेट तैयार करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 12वीं सदी के इस प्रसिद्ध मंदिर की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था ने गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया। मंदिर प्रशासन ने घोषणा की कि यह नया आभूषण सेट अपने संसाधनों से तैयार किया जाएगा और इस कार्य के लिए इच्छुक व्यक्तियों और संगठनों से दान भी स्वीकार किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक ने बताया कि नए आभूषणों के निर्माण में कोई कटिनाई नहीं होगी, क्योंकि मंदिर के पास मौजूदा आभूषणों के डिजाइन और अन्य जरूरी विवरण मौजूद हैं। रत भंडार की



चल रही सूची तैयार करने के दौरान मंदिर में रखे आभूषणों की वीडियोग्राफी और 3डी मॉडिंग भी कराई गई थी, जिससे उनके डिजाइन, आकार और धार्मिक महत्व को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखा गया है। मंदिर प्रशासन के पास रत भंडार में

रखे मौजूदा आभूषणों के वजन और डिजाइन से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी मौजूद है, जिससे नए आभूषण तैयार करते समय परंपरागत स्वरूप और धार्मिक मान्यताओं को बनाए रखने में मदद मिलेगी।मुख्य प्रशासक ने बताया कि नए आभूषणों की पूरी प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक तकनीकी समिति गठित की जाएगी। यह समिति अनुभवी और कुशल स्वर्णकारों का चयन करेगी, जो देवताओं के लिए नए आभूषण तैयार करेंगे। पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से की जाएगी। सुना बेशा भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा का एक विशेष धार्मिक श्रृंगार है, जिसमें तीनों देवी-देवताओं को स्वर्ण आभूषणों और स्वर्ण अलंकरणों से सजाया जाता है। यह अनुष्ठान साल में पांच अलग-अलग अवसरों पर आयोजित होता है।





आईसीसी का अनोखा नियम: क्या एक ही समय पर दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेल सकती है एक टीम?



नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट फैस इस समय रोमांच के डबल डोज का अनुभव कर रहे हैं, क्योंकि टीम इंडिया एक साथ दो अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग ले रही है। यह सुनने में थोड़ा असामान्य लग सकता है, लेकिन हकीकत यह है कि भारतीय टीम अपने घर में वेस्टइंडीज के खिलाफ लिमिटेड ओवरों की घरेलू सीरीज खेल रही है और साथ ही जापान में जारी एशियन गेम्स में भी हिस्सा ले रही है। इस स्थिति ने कई लोगों के मन में यह सवाल उठाया है कि आखिर एक ही समय पर टीम इंडिया दो अलग-अलग अलग इवेंट में कैसे खेल सकती है? आइए समझते हैं कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियम इस स्थिति के बारे में क्या कहते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, एक ही समय पर एक देश की दो अलग-अलग नेशनल टीमों विभिन्न अंतराष्ट्रीय आयोजनों में भाग ले सकती है। आईसीसी के नियमों में ऐसा करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी हों। सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि भले ही एक समय पर एक देश की दो टीमों अलग-अलग इवेंट में खेल सकती हों, लेकिन वे एक ही टूर्नामेंट में दो टीमों नहीं उतार सकतीं। उदाहरण के लिए, जापान में चल रहे एशियन गेम्स में भारत की दो पुरुष टीमों हिस्सा नहीं ले सकतीं। यह नियम वनडे विश्व कप या टी20 विश्व कप जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों पर भी लागू होता है। यही कारण है कि कोई भी देश अपनी दो आधिकारिक टीमों एक ही



विराट कोहली ने शतक और 15 हजार वनडे रन के बाद करियर, फिटनेस और युवाओं पर की खुलकर बात

बोले -फ्री माइंड के लिए फिट शरीर जरूरी

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शानदार शतक लगाने के साथ 15 हजार वनडे रन पूरे करने वाले विराट कोहली ने अपने करियर, फिटनेस, मानसिक तैयारी, युवा खिलाड़ियों और शुभमन गिल के साथ साझेदारी को लेकर खुलकर बात की। कोहली इस आंकड़े तक सबसे तेजी से पहुंचने वाले बल्लेबाज बने। हालांकि, उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धियां कभी

उनके लक्ष्य का हिस्सा नहीं रही और उनका ध्यान हमेशा परिस्थितियों को समझकर टीम के लिए योगदान देने पर रहा है। 15 हजार वनडे रन पूरे करने के बाद कोहली ने कहा कि उन्होंने कभी व्यक्तिगत रिकॉर्ड के बारे में सोचकर बल्लेबाजी नहीं की। उनका पूरा ध्यान स्थिति के मुताबिक टीम के लिए अपना काम करने पर रहा है। उन्होंने कहा कि उपलब्धियां अपने आप आती हैं और इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेलने तथा इस मुकाम तक पहुंचने के लिए वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं। कोहली ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी



मेहनत और मिले अवसरों के लिए ईश्वर के प्रति आभार को दिया। अपनी निरंतरता के बारे में कोहली ने कहा कि खेल की समझ के साथ इस उम्र और करियर के पड़ाव पर फिटनेस भी बेहद महत्वपूर्ण है।

उनका कहना है कि मानसिक रूप से तरोताजा रहना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना उनके लिए जरूरी है। कोहली ने बताया कि वह अपने खेल में एक-दो गिघर ऊपर जाने की चुनौती पर काम कर रहे हैं

सकारात्मक क्रिकेट, लेकिन लापरवाही नहीं
कोहली ने कहा कि उन्होंने खुद से सकारात्मक क्रिकेट खेलने का वादा किया है, लेकिन इसका मतलब लापरवाह शॉट खेलना नहीं है। एक अनुभवी और पेशेवर खिलाड़ी के रूप में उन्हें आक्रामकता और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाए रखना है। उनका कहना है कि जब भी मैदान पर उतरें, तो दबाव या चिंता के बजाय खुशी के साथ खेलें और टीम की जरूरत के मुताबिक

एशियन गेम्स : बारिश ने भारत को सीधे पहुंचाया सेमीफाइनल में

बेहतर रैंकिंग के आधार मिला अंतिम चार का टिकट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने एशियन गेम्स में बिना एक भी गेंद खेले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सोमवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला क्वार्टर फाइनल मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जिसके बाद टूर्नामेंट के नियमों के तहत बेहतर रैंकिंग के आधार पर टीम इंडिया को अंतिम चार का टिकट मिल गया। यह घटनाक्रम काफी दिलचस्प रहा, क्योंकि इससे पहले पाकिस्तान बनाम हांगकांग क्वार्टर फाइनल मैच भी बिना किसी खेल के रद्द हो गया था, और पाकिस्तान भी इसी नियम के तहत सेमीफाइनल में पहुंच गया। भारत बनाम अफगानिस्तान का यह मुकाबला सुबह 10 बजे से शुरू होना था, जिसमें टॉस का समय



9-30 बजे निर्धारित था। टॉस में थोड़ी देरी हुई, लेकिन लगभग 5 मिनट के इंतजार के बाद ही मैच रद्द होने की घोषणा कर दी गई। ऐसे में कई क्रिकेट प्रेमियों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आमतौर पर क्रिकेट में बारिश होने पर कुछ देर इंतजार किया जाता है, तो इस बार इतनी जल्दी फैसला क्यों लिया गया? इसका कारण कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम की मौजूदा स्थिति में निहित है। सोमवार को तेज बारिश शुरू होने से पहले ही मैदान काफी गीला था। दरअसल, रविवार को भी यहां

भारी बारिश हुई थी, जिससे टीमों के अभ्यास सत्र भी प्रभावित हुए थे। यह स्टेडियम अंतराष्ट्रीय स्तर के ज्यादा क्रिकेट मैचों की मेजबानी नहीं करता, इस वजह से मैदान सुखाने की सुविधाएं और ड्रेनेज सिस्टम भी उतना उन्नत नहीं है जितना बड़े क्रिकेट स्टेडियमों में होता है। बता दें कि एशियन गेम्स के लिए यहां हाइब्रिड पिच तैयार की गई है। इन्हीं सब कारणों के चलते टॉस के समय जैसे ही तेज बारिश फिर से शुरू हुई, यह स्पष्ट हो गया कि आज यहां किसी भी हाल में मैच खेल पाना संभव नहीं होगा।



भारतीय शतरंज टीम ने ओलंपियाड में रचा इतिहास, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय पुरुष और महिला शतरंज टीमों ने 46वें चेस ओलंपियाड 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को गौरव दिलाया। पुरुष टीम ने प्रतिष्ठित सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि महिला टीम ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों टीमों को हार्दिक बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे शतरंज खिलाड़ियों को बधाई। उनका जुनून और दृढ़ संकल्प मिसाल कायम करने वाला है। उम्मीद है कि ये सफलताएं और भी कई युवाओं को शतरंज खेलने और उसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगी।

अंतिम राउंड के रोमांचक मुकाबलों के बाद भारतीय पुरुष ओपन टीम ने सिल्वर मेडल पर कब्जा

जमाया। भारत ने हंगरी के खिलाफ 2-2 से मुकाबला ड्रॉ खेला। इस महत्वपूर्ण मैच में, मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश को ग्लेब ड्रुडिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, लेकिन अर्जुन एग्रीसेरी ने पीटर लेको को हराकर भारत को बराबरी दिलाई और सिल्वर मेडल सुनिश्चित किया। पुरुष वर्ग में मेजबान उज्बेकिस्तान ने आखिरी राउंड में यूक्रेन को 2.5-1.5 से हराकर गोल्ड मेडल जीता, मुखिद्दीन मदामिनोव ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उज्बेकिस्तान ने भारत और जर्मनी से दो अंक आगे रहते हुए अपना दूसरा शतरंज ओलंपियाड खिताब जीता। भारत ने टाई-ब्रेक के आधार पर सिल्वर मेडल प्राप्त किया, जबकि जर्मनी ने नीदरलैंड्स को 2.5-1.5 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया, जिसमें मैथियास ब्लूबाउम की जीत निर्णायक रही।

रंग संसार

45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया साक्षी तंवर ने



बॉलीवुड अभिनेत्री साक्षी तंवर ने केवल 45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया, बल्कि एक बेटी को गोद लेकर समाज के सामने मातृत्व का एक नया उदाहरण भी पेश कर दी। टीवी, बॉलीवुड और ओटीटी पर अपनी दमदार अदाकारी के लिए मशहूर साक्षी तंवर ने अक्टूबर 2018 में, नवरात्रि के शुभ अवसर पर, नौ महीने की एक बच्ची को गोद लिया था। उन्होंने अपनी बेटी का नाम दिया रखा, जिसका अर्थ है प्रार्थनाओं का जवाब या देवी लक्ष्मी का एक रूप। जब उन्होंने दिया को गोद लिया, तब वह 45 साल की थीं और उन्होंने इस फैसले को अपनी जिंदगी का सबसे खूबसूरत और महत्वपूर्ण मोड़ बताया था। यह कदम दर्शाता है कि मातृत्व के लिए पारंपरिक विवाह की जरूरत नहीं होती, बल्कि यह एक भावनात्मक बंधन है। साक्षी ने कभी यह नहीं कहा कि वह शादी के खिलाफ हैं, बल्कि उनका मानना ​​रहा है कि शादी सिर्फ इसलिए नहीं करनी चाहिए क्योंकि समाज या परिवार ऐसा चाहते हैं। उन्हें अब तक कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला, जिसके साथ वह पूरी जिंदगी बिताते का फैसला कर सकें। साक्षी का मानना ​​है कि शादी जबदस्तगी या जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सही इंसान के मिलने पर होनी चाहिए।

उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा था कि शादी अपने आप होनी चाहिए और अगर किस्मत में होगी तो हो जाएगी, अन्यथा इसका मतलब यह नहीं कि जिंदगी अधूरी रह जाएगी। साक्षी तंवर का जन्म 12 जनवरी 1973 को राजस्थान के अलवर में हुआ था। उनके पिता राजेंद्र सिंह तंवर सीबीआई में अधिकारी रह चुके हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद साक्षी का सपना प्रशासनिक सेवा में जाने का था। उन्होंने दिल्ली के लेडी श्री राम कॉलेज से पढ़ाई की और आईएएस की तैयारी भी की। उस दौरान अपने खर्चों के लिए उन्होंने एक होटल में प्रशिक्षु के तौर पर भी काम किया था। उनका अभिनय की दुनिया में आना किसी योजना का हिस्सा नहीं था।

लस्ट स्टोरीज़ 3 में पेश की ससुर के साथ पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज़ 3 में अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अपने प्रदर्शन के लिए मिल रहे अपार प्यार का आनंद ले रही हैं। अदिति ने फिल्म में सायरा के रूप में न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पढ़ें पर उतारती हैं, बल्कि गजराज राव द्वारा



निभाए गए अपने ऑन-स्क्रीन ससुर के साथ भावनात्मक तस्वीरें भी दर्शाती हैं। अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक मार्मिक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पढ़ें पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। अदिति ने बताया, चूंकि कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया। जवह आगे कहती हैं, चूंकि हमने जो चीजें मुझे सबसे ज्यादा

प्रभावित करती हैं, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। क्योंकि हर कोई कहता है, ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है। लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुरों एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है। ज्व अदिति के अनुसार, यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहाँ इच्छाएँ अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं। वह इस बात पर जोर देती हैं कि एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस तलाश पाना, यह भी बेहद अद्भुत है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत

है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। अदिति मानती हैं कि लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आवाज है।



सुनील पाल का सलमान पर हमला

मुंबई, यशभारत। कॉमेडियन सुनील पाल ने हाल ही में सलमान खान द्वारा बिग बॉस 20 के वीकेंड का वार एपिसोड में ट्रोलर्स को फटकार लगाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। सुनील पाल ने सलमान खान पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें स्टार बनाने में जनता का बड़ा योगदान है, और उन्हें ऐसे शो की मेजबानी छोड़ देनी चाहिए। सुनील ने सलमान से बिग बॉस शो को बंद करने की अपील की, इसे गटर शो तक कह डाला। उन्होंने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इस रियलिटी शो का समाज पर गलत प्रभाव पड़ रहा है, क्योंकि इसमें एक से बढ़कर एक कांड करने वाले लड़के-लड़कियां शामिल होते हैं। सुनील ने यह भी स्पष्ट किया कि वह ट्रोलिंग का समर्थन नहीं करते, लेकिन उनका मानना ​​है कि किसी भी मुद्दे पर अपनी राय रखना गलत नहीं है, बशर्ते उसे सही और मर्यादित तरीके से व्यक्त किया जाए।

अनीत और अहान की डेटिंग की चर्चा

अभिनेत्री अनीत पड्डा और अभिनेता अहान पांडे एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। दोनों के बीच डेटिंग की अफवाहों तब तेज हो गईं, जब प्रशंसकों ने सोशल मीडिया पर उनकी छुट्टियों की तस्वीरों में समानताएं तलाश लीं। वर्ष 2025 में रिलीज हुई फिल्म 'सैयारा' में दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। इसके बाद से ही दोनों कलाकारों को लेकर डेटिंग की अटकलें लगती रही हैं। अनीत पड्डा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी छुट्टियों की कई तस्वीरें साझा कीं।

सह-कलाकार के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया, तो क्या बड़ी बात है: गोविंदा

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक साक्षात्कार में बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने अपने उपर लग रहे आरोपों पर खुलकर बात की। गोविंदा अपनी आगामी फिल्म रूपा की सफलता के लिए प्रार्थना करने लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। उनके इस दौर को लेकर हो रही चर्चाओं पर उन्होंने कहा, इससे पहले मैं करिश्मा कपूर के साथ गया था और फिल्म हिट हुई थी। मैं रवीना टंडन के साथ गया था और मेरी फिल्म हिट हुई थी। यह मेरे लिए गुड लक है। लंबे समय बाद फिर से काम की शुरुआत कर रहा हूँ, इसलिए मैंने अपनी सह-कलाकार के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया। इसमें क्या बड़ी बात है? क्यों इतनी बातें हो रही हैं? उनके बयान से यह स्पष्ट होता है कि वह इन दर्शनों को अपने लिए एक शुभ संकेत मानते हैं। एक तरफ गोविंदा लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रहे हैं, वहीं उनके बेटे यशवर्धन आहुजा भी बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार हैं। यशवर्धन फिल्म हिरों की हॉररड्रस से अभिनय की दुनिया में पदार्पण करने जा रहे हैं। यह फिल्म 7 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस



फिल्म में यशवर्धन के अलावा सुनीता आहुजा, नितोशी गोयल, जेमी लीवर, चंकी पांडे, बिजेंद्र काला और सिमरत कौर रंधावा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह गोविंदा और उनके परिवार के लिए एक रोमांचक समय है, जहाँ वे एक साथ नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं। गोविंदा ने अपनी

आने वाली योजनाओं के बारे में और दिग्गज कलाकार अनुपम खेर के साथ अपने अनुभवों पर खुलकर बात की है। उन्होंने रियलिटी शो में अपनी संभावित भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों पर भी स्पष्टीकरण दिया। गोविंदा ने अनुपम खेर के अभिनय की जमकर तारीफ की। अनुपम खेर ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में गोविंदा की कला की प्रशंसा करते हुए कहा था कि इम्प्रोवाइजेशन, अभिनय और नृत्य में कोई उनका मुकाबला नहीं कर सकता। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गोविंदा ने कहा, अनुपम खेर देश के बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं। उनके साथ काम करते समय मुझे एहसास हुआ कि वह कितने सरल, सहज और जमीनी इंसान हैं। वह हमेशा दूसरों के बारे में सोचते हैं और यदि उन्हें लगता है कि किसी काम को शूटिंग के बाद और बेहतर बनाया जा सकता था, तो वह खुद फोन करके उस पर बात करते हैं। यह टिप्पणी अनुपम खेर के साथ उनके गहरे सम्मान और व्यावसायिक रिश्ते को दर्शाती है। पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि गोविंदा किसी रियलिटी शो का हिस्सा बन सकते हैं।

